

# **NCERT SOLUTIONS**

**CLASS - 11th**



*aglasem.com*

Class : 11th

Subject : Political science

Chapter : 7

Chapter Name : राष्ट्रवाद

Q1 सामूहिक संबद्धताओं के अन्य रूपों से एक राष्ट्र अलग कैसे है?

Answer. एक राज्य एक परिवार से अलग होता है जो एक साथ रहने वाले लोगों की प्रत्यक्ष व्यक्तिगत बातचीत और दूसरे के ज्ञान और चरित्रों पर आधारित होता है। एक राष्ट्र कुलों, जनजातियों और रिश्तेदारी से अलग है जो विवाह और वंश के सदस्यों को एक-दूसरे से जोड़ता है ताकि भले ही हम व्यक्तिगत रूप से उन सभी सदस्यों को न जान सकें जो हम कर सकते हैं। लेकिन एक राष्ट्र के सदस्य के रूप में, हम अपने अधिकांश साथी नागरिकों के साथ कभी भी आमने-सामने नहीं आ सकते हैं और न ही हमें उनके साथ वंश के संबंधों को साझा करने की आवश्यकता है। बेनेडिक्ट एंडरसन ने अपनी पुस्तक में कल्पना की समुदायों का तर्क है कि राष्ट्र कल्पना समुदाय का एक स्थान है।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 राष्ट्रीय आत्मनिर्णय के अधिकार से आप क्या समझते हैं? किस प्रकार यह विचार राष्ट्र-राज्यों के निर्माण और उनको मिल रही चुनौती में परिणत होता है?

Answer. मूल अधिकार का तात्पर्य है कि प्रत्येक राज्य को स्वतंत्र रूप से अन्य राज्यों से हस्तक्षेप के बिना अस्तित्व का अधिकार है और राज्य की संप्रभुता का सभी द्वारा सम्मान किया जाएगा। हर राज्य अपने संरक्षण के अधिकार का उपयोग करता है, जिसे वह मूल्य-संरक्षण मानता है। प्रत्येक परंपरा में कुछ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि होती है और राष्ट्र की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। कार्रवाई में लोकतंत्र के सह-अस्तित्व के लिए ये अधिकार आवश्यक हैं। यह अधिकार विभिन्न राज्यों, जातियों, धर्मों और संस्कृतियों से संबंधित विभिन्न राज्यों के बीच राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। यह अधिकार इस बात की गारंटी देता है कि अल्पसंख्यकों को बहुमत में अवशोषित नहीं किया जाना चाहिए। इस अधिकार ने अधिक राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान की क्योंकि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों ही अपने-अपने मामलों को निर्धारित करने के अधिकार का लाभ लेते हैं। यह भारत, यूएसएसआर जैसे बहु-राष्ट्रीय राज्यों में प्रशासन के सुचारु संचालन में बाधा उत्पन्न कर सकता है क्योंकि प्रत्येक अनुभाग अपने तरीके से पता लगाने का प्रयास करता है। आमतौर पर, इस अधिकार से लोकतंत्र की सफलता के

लिए एक सार्वजनिक राय बनाना मुश्किल हो जाता है क्योंकि सभी केवल अपनी पहचान का विकास करेंगे। आत्मनिर्णय के अधिकार से रूस, ऑस्ट्रिया, हंगरी जैसे राज्यों का विघटन हुआ।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 “हमने देखा है कि राष्ट्रवाद लोगों को एकजुट करने के साथ-साथ उन्हें विभाजित करने, उन्हें मुक्त करने के साथ-साथ कड़वाहट और संघर्ष उत्पन्न कर सकता है।” उदाहरण के साथ अपना उत्तर दे।

Answer. राष्ट्रवाद ने लोगों को एकजुट किया और उन्हें दमनकारी शासन से मुक्त करने के लिए विभाजित किया और संघर्ष और युद्धों का कारण रहा। राष्ट्रवाद ने राज्यों और साम्राज्यों की सीमाओं के निर्धारण और पुनः निर्धारण में योगदान दिया है। राष्ट्रवाद साम्राज्य और राज्यों के विखंडन का कारक रहा है। राष्ट्रवाद विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरा है, जैसे इसने इटली, जर्मनी आदि बड़े राष्ट्रों में कई छोटे राज्यों के एकीकरण का नेतृत्व किया। यहाँ तक कि वर्तमान में दुनिया का एक बड़ा हिस्सा विभिन्न राष्ट्र-राज्यों में विभाजित है और मौजूदा राज्यों में अलगाववादी संघर्ष आम हैं। राष्ट्रवाद ऑस्ट्रो-हंगेरियन जैसे साम्राज्यों के टूटने का कारक भी है।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 वंश, भाषा, धर्म या नस्ल में से कोई भी पूरे विश्व में राष्ट्रवाद का एक साझा कारण होने का दावा नहीं कर सकता। टिप्पणी करें।

Answer. राष्ट्रवाद सबसे बड़ा बहस का विषय है, विभिन्न विद्वानों के बीच बहस होती है कि राष्ट्रवाद को कैसे परिभाषित किया जाए? लोगों या समुदाय के विभिन्न समूहों के लिए क्या राष्ट्रवाद था? आमतौर पर यह माना जाता है कि राष्ट्रों का गठन एक समूह द्वारा किया जाता है, जो कुछ विशेषताओं को वंश, या भाषा या धर्म या जातीयता के रूप में साझा करता है। लेकिन वास्तव में सभी राष्ट्रों में मौजूद रहने के लिए विशेषताओं का कोई सामान्य सेट नहीं है। कई राष्ट्रों के पास उन्हें एकजुट करने के लिए सामान्य धर्म नहीं है और कुछ अन्य विशेषताएँ जैसे जाति या वंश नहीं हैं। इसलिए, सामूहिक विश्वासों और संस्कृतियों द्वारा एक राष्ट्र को एक हद तक एक कल्पना समुदाय के साथ रखा जाता है।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 राष्ट्रवादी भावनाओं के उद्भव के लिए उपयुक्त कारकों को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

Answer. सामान्य संस्कृति का तात्पर्य रीति-रिवाजों और परंपराओं, विचारों, कला और साहित्य, पहनावे, भोजन आदि से है, जिसके माध्यम से लोग एक-दूसरे के साथ सद्भाव और सहयोग से रहना शुरू करते हैं। इसलिए, यह राष्ट्रवाद उभरता है। आम भाषा भी राष्ट्रवाद के रूप में उभरती है क्योंकि लोग समझते हैं और एक-दूसरे के करीब आते हैं और जो उन्हें एक साथ बांधते हैं। भाषा के माध्यम से, लोग कुछ आदतों को विकसित करते हैं और साथ ही जीवन के कुछ तरीकों को अपनाते हैं। सामान्य धर्म भी राष्ट्रीयता के उदय में योगदान देता है क्योंकि लोग एक धार्मिक नेता की कमान में रहते हैं और धर्म के सभी अनुयायियों में एकता की भावना विकसित की जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, एक राष्ट्र विश्वास से गठित होता है। राष्ट्र पहाड़, नदी या इमारत की तरह नहीं हैं जिन्हें हम देख और महसूस कर सकते हैं। यह एक स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व रखने की इच्छा रखने वाले समूह के भविष्य के लिए सामूहिक पहचान और दृष्टि का उल्लेख करना है।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 संघर्षरत राष्ट्रवादी आकांक्षाओं से निपटने में एक लोकतंत्र, तानाशाही की तुलना में अधिक प्रभावी कैसे है?

Answer. जैसा कि हम अपने ही देश में देखते हैं कि भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक है। एक लोकतंत्र दुनिया में सरकार का सबसे स्वीकार्य रूप है। सत्तावादी प्रकार की सरकार को आजकल पसंद और स्वीकार नहीं किया जाता है। लोकतंत्र में, यह राजनीतिक मूल्यों और आदर्शों के एक समूह के लिए प्रतिबद्धता है जो एक राजनीतिक समुदाय या एक राष्ट्र राज्य का सबसे वांछनीय आधार है। इसके भीतर, राजनीतिक समुदाय के सदस्य दायित्वों के एक समूह से बंधे होते हैं। ये दायित्व नागरिकों के रूप में एक-दूसरे के अधिकारों की मान्यता से उत्पन्न होते हैं। एक राष्ट्र तब मजबूत होता है जब उसके लोग अपने साथी सदस्यों के प्रति अपने दायित्वों को स्वीकार करते हैं। यह एक सत्तावादी सरकार की तुलना में लोकतंत्र में अधिक आसानी से संभव है।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 आपकी राय में राष्ट्रवाद की सीमाएँ क्या हैं?

Answer. राष्ट्रवाद को लेकर हम कई गंभीर सीमाएँ देखते हैं। एक क्षेत्र एक राष्ट्र का निर्माण करता है और उस विशेष क्षेत्र के निवासी राष्ट्रवाद का निर्माण करते हैं लेकिन दुनिया विभिन्न राष्ट्रों और राज्यों में विभाजित है, भले ही मौजूदा सीमाओं में अलगाववादी संघर्षों के कारण राज्य की सीमाओं को फिर से लागू करने की प्रक्रिया समाप्त नहीं हुई है। नए राज्यों के लोगों ने राज्य की वफादारी और आम भाषाओं के साथ राष्ट्र की सदस्यता के आधार पर एक नई राजनीतिक पहचान हासिल की। राष्ट्रवाद की सटीक और व्यापक रूप से स्वीकृत परिभाषा तक पहुंचना काफी कठिन है। भारत और अन्य पूर्व उपनिवेशों द्वारा औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, विदेशी नियंत्रण से मुक्त होने की इच्छा के साथ राष्ट्रवादी संघर्ष थे, जैसे ऑस्ट्रो-हंगेरियन, रूसी, फ्रांसीसी, डच, पुर्तगाली

साम्राज्य आदि ने अलग राज्य की राष्ट्रवादी मांगों सहित राज्य की सीमाओं को खींचने की प्रक्रिया का सामना भी किया।

Page : 110 , Block Name : प्रश्नावली

aglasem.com